Preview file of Teaching Plan Academic Session: 2025-26

Department of Hindi

Jagannath Barooah College, Jorhat

Name of the Teacher: MONMI BORTHAKUR
Semester: ODD & EVEN

Class/ Semester	Title & Code of The Paper Allotted (Credit)	Method of Teaching	Teaching Material	Unit	Topic	Period/ Hours Required	Details of the Contents	Remarks / Books
SEM I (ODD)	HINSK-011 हिन्दी भाषा-कौशल	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	भाषाः स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व; हिन्दी भाषाः स्वरूप, विकास, क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि	9	यहाँ भाषा के स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व तथा विशेष रूप से हिन्दी भाषा के स्वरूप, इसके विकासक्रम, प्रयोग क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि आदि के ऊपर चर्चा किया जायेगा।	1. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी; 2. हिन्दी भाषा व्याकरण और रचना- डॉ. अर्जुन तिवारी
				II	वाचिक- कौशल: संवाद लेखन; वार्तालाप; भाषण;	6	यहाँ भाषा के वाचन संबंधी कौशलों का अभ्यास कराया जायेगा और साथ ही उसकी सिद्धांतों पर व्याख्या किया जायेगा।	
				III	लेखन कौशल: सार-लेखन/संक्षेपण; पल्लवन/निबंध-लेखन; पत्र-लेखन;	9	यहाँ भाषा के विविध प्रयोगो के लेखन कौशल के ऊपर चर्चा किया जायेयगा साथ ही हर कौशल का अभ्यास कराया जायेगा।	
SEM III (ODD)	HINSK-031 हिन्दी भाषा-कौशल	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	भाषाः स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व; हिन्दी भाषाः स्वरूप, विकास, क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि;	9	यहाँ भाषा के स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व तथा विशेष रूप से हिन्दी भाषा के स्वरूप, इसके विकासक्रम, प्रयोग क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि आदि के ऊपर चर्चा किया जायेगा।	1. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी; 2. हिन्दी भाषा व्याकरण और रचना- डॉ. अर्जुन तिवारी
				II	वाचिक- कौशल: संवाद लेखन;	6	यहाँ भाषा के वाचन संबंधी कौशलों का अभ्यास कराया जायेगा और साथ ही	

					वार्तालाप; भाषण		उसकी सिद्धांतों पर व्याख्या किया जायेगा।	
				III	लेखन कौशल: सार-लेखन/संक्षेपण; पल्लवन/निबंध-लेखन; पत्र-लेखन	9	यहाँ भाषा के विविध प्रयोगो के लेखन कौशल के ऊपर चर्चा किया जायेयगा साथ ही हर कौशल का अभ्यास कराया जायेगा।	
	HINMJ-032 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद)	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	भारतेन्दु का काव्य- हिन्दी भाषा (पद संख्या 1-15); हरिऔध का काव्य- प्रियप्रवास छंद संख्या 31-35	15	यहाँ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हरिऔध का जीवन व साहित्यिक परिचय सहित पठित काव्यों का पाठ विश्लेषण व व्याख्या कराया जायेगा।	1. आधुनिक काव्य संग्रह, संपादक- डॉ रामवीर सिंह, विश्व विद्यालय प्रकाशन
				II	मैथिलीशरण गुप्त का काव्य- कैकेयी अनुताप; उर्मिला; यशोधरा - सखि वे मुझसे कहकर जाते; बालकृष्ण शर्मा नवीन की कविता- प्रिय लो डूब चुका है सुरज; ओ हिरनी की आँखो वाली.	15	यहाँ मैथिलीशरण गुप्त और बालकृष्ण शर्मा नवीन का जीवन व साहित्यिक परिचय सहित पठित काव्यों का पाठ विश्लेषण व व्याख्या कराया जायेगा।	
				III	जयशंकर प्रसाद का काव्य- कामायनी श्रद्धा सर्ग; निराला का काव्य - जुही की कली; संध्या सुन्दरी; बाँधो न नाव; भिक्षुक; विधवा	15	यहाँ जयशंकर प्रसाद और निराला का जीवन व साहित्यिक परिचय सहित पठित काव्यों का पाठ विश्लेषण व व्याख्या कराया जायेगा।	
				IV	सुमित्रानन्दन पंत का काव्य- ताज; भारत माता; नौका बिहार; द्रुत झरो; प्रथम रश्मि; महादेवी वर्मा का काव्य- मैं नीर भरी दूख की बदली; यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो; रे	15	यहाँ सुमित्रानन्दन पंत और महादेवी वर्मा का जीवन व साहित्यिक परिचय सहित पठित काव्यों का पाठ विश्लेषण व व्याख्या कराया जायेगा।	

					पपीहा पी कहाँ			
SEM V (ODD)	HINMJ-053 असमिया भाषा और साहित्य	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	असमिया भाषा और साहित्यः परिचय एवं परम्परा शंकरदेव और माधवदेवः साहित्यिक और सामाजिक अवदान पांचाली साहित्य का परिचयात्मक स्वरूप	15	पहले अध्याय में असमिया भाषा और साहित्य का परिचय एवं परम्परा के बारे में समझाया जायेगा। और साथ ही असमिया साहित्य के शिरोमणि शंकरदेव और माधवदेव के साहित्यिक और सामाजिक अवदानों की चर्चा की जायेगी। आदिकालीन असमिया साहित्य के अंतर्गत पांचाली साहित्य का परिचयात्मक स्वरूप पर बात की जायेगी।	1. असमिया साहित्यर समीक्षात्मक इतिवृत्त- सत्येन्द्रनाथ शर्मा; 2. असमिया साहित्य का इतिहास- चित्र महंत; 3. ज्योति प्रभा- देवी प्रसाद बागरोडिया
				II	बरगीत का सामान्य परिचय शंकरदेव का बरगीत- नारायण काहे भगति करू तेरा, पावँ परि हरि करहुँ विनति, नारायण की गति कराई माधवदेव का बरगीत- अरे माई तोहार तनय यदुमणि, केलि करे वृन्दावन में	15	इस अध्याय में बरगीत का सामान्य परिचय देकर,शंकरदेव और माधवदेव द्वारा रचित पठित बरगीतों का पाठ विश्लेषण किया जायेगा।	
				III	रोमांटिक युग व इनके प्रतिनिधि साहित्यकार- लक्ष्मीनाथ बेजबरूआ, चन्द्र कुमार आगरवाला और नलिनीवाला देवी	15	इस अध्याय में रोमांटिक युग का परिचय सहित यहाँ के प्रतिनिधि साहित्यकारों का परिचय प्रस्तुत किया जायेगा।	
				IV	कवि परिचयः ज्योतिप्रसाद अगरवाला पाठ्य गीत- विश्व विजयी नौजवान, मेरे भारत की , तेरे मेरे आलोक की यात्रा	15	इस अध्याय में ज्योतिप्रसाद अगरवाला का साहित्यिक परिचय सहित उनके द्वारा रचित कुछ गीत व कविताओं का पाठ विश्लेषण किया जायेगा।	

					पाठ्य कविताएँ- जनता का आह्वान, विश्वशिल्पी, मैं शिल्पी			
SEM II (EVEN)	HINSK-021 हिन्दी भाषा-कौशल	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	भाषाः स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व हिन्दी भाषाः स्वरूप, विकास, क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि	9	यहाँ भाषा के स्वरूप, परिभाषा, लक्षण एवं महत्व तथा विशेष रूप से हिन्दी भाषा के स्वरूप, इसके विकासक्रम, प्रयोग क्षेत्र, बोलियाँ एवं लिपि आदि के ऊपर चर्चा किया जायेगा।	1. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी; 2. हिन्दी भाषा व्याकरण और रचना- डॉ. अर्जुन तिवारी
				II	वाचिक- कौशल संवाद लेखन वार्तालाप भाषण	6	यहाँ भाषा के वाचन संबंधी कौशलों का अभ्यास कराया जायेगा और साथ ही उसकी सिद्धांतों पर व्याख्या किया जायेगा।	
				III	लेखन कौशल सार-लेखन/संक्षेपण पल्लवन/निबंध-लेखन पत्र-लेखन	9	यहाँ भाषा के विविध प्रयोगो के लेखन कौशल के ऊपर चर्चा किया जायेयगा साथ ही हर कौशल का अभ्यास कराया जायेगा।	
SEM IV (Even)	HINMJ-043 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	प्लेटो- काव्य संबंधी मान्यताएँ अरस्तु- काव्य सिद्धांत लौंजाइनस- काव्य में उदात्त अवधारण	15	इस अध्याय में पाश्चात्य काव्यशास्त्र के उद्घोषक प्लेटो तथा उनके शिष्य अरस्तु और उनके समकालीन लौंजाइनस के काव्य संबंधी मान्यताओं पर चर्चा किया जायेगा।	
				II	वर्डस्वर्थ- काव्य भाषा का सिद्धांत क्रोचे का अभिव्यंजनावाद	15	इस अध्याय में वर्डस्वर्थ के काव्य की भाषा संबंधी मत पर आलोचना की जायेगी। और क्रोचे तथा कॉलरिज के	

					कॉलरिज- कल्पना सिद्धांत और फैंटेसी		काव्य संबंधी सिद्धांतों का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	
				III	टी. एस. इलियट- निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत आइ. ए. रिचडर्स- मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत	15	यहाँ ट. एस. इलियट और आइ. ए. रिचडर्स द्वारा दी गयी काव्य के विविध सिद्धांतों के बारे में अध्ययन किया जायेगा।	
				IV	मार्क्सवादी समीक्षा, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान	15	यहाँ आधुनिक काव्य संबंधी कुछ आलोचनात्मक सिद्धांतों पर अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	
SEM VI (Even)	HINMJ-063 प्रेमचन्द	Lecture, Discussion, Project/ Assignment	TEXT BOOK	I	हिन्दी साहित्य और मुंशी प्रेमचन्द ; प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य पठित उपन्यास- निर्मला	15	प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद पर आधारित है। पहली अध्याय में उनके उपन्यास साहित्य पर चर्चा किया जायेगा और निर्मला उपन्यास का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	1.प्रेमचंद- डॉ रामविलास शर्मा 2. उपन्यास साहित्य का इतिहास- डॉ. गोपाल राय 3. हिन्दी कहानी का विकास- मधुरेश 4.निर्मला- प्रेमचन्द 5. साहित्य का उद्देश्य- प्रेमचन्द 6. कर्बला- प्रेमचन्द
				II	प्रेमचन्द का निबंध साहित्य; पठित निबंधः साहित्य का उद्देश्य ; साहित्य में समालोचना	15	यहाँ प्रेमचन्द के निबंध साहित्य के बारे में अध्ययन किया जायेगा और दो निबंधों का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	
				III	प्रेमचन्द का नाटक साहित्य; पठित नाटकः कर्बला	15	यहाँ प्रेमचन्द के नाटक साहित्य के बारे में अध्ययन किया जायेगा और कर्बला नाटक का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	
				IV	प्रेमचन्द का कहानी साहित्य पठित कहानियाँ- पंच परमेश्वर; कफन; बड़े घर की बेटी; बूढ़ी काकी; दुनियाँ का सबसे अनमोल रतन	15	यहाँ प्रेमचन्द के कहानियों के विकासक्रम के बारे में अध्ययन किया जायेगा और पाँच कहानियों का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा।	

The following courses are being taught by MONMI BORTHAKUR (faculty of dept. of Hindi)- HINSK-011, HINSK-021, HINSK-031, HINMJ-032, HINMJ-043, HINMJ-053, HINMJ-063 full paper, all units. Compile as a formatted Word table.